जब दोनों में तकरार क्या बोले कृष्ण मुरार | By Vikas Dua , Anjali Sagar Dua

(मुरली)- मैं मोहिनी मुरलिया थामे रखता साँवरिया
श्याम के अधरों पे सजती हूँ श्याम के संग मैं तो कबकी हूँ
तू काहे को अकड़ा है मेरा रुतबा बड़ा है

(मुकुट)- मैं मुकुट हूँ चमकता कान्हा को प्यारा लगता
हीरे मोती और पन्ने जड़े हैं जाने कितने जड़ें हैं जाने कितने
जो श्याम के शीश चढ़ा है मेरा रुतबा बड़ा है

1) (मुरली)- पहले काटा छीला रगड़ा सीने में कई छेद किये
कुछ भी ना कहा जब ज़ख्म मिला बजती ही रही हर दर्द लिए
इतना कुछ सहकर भी मैं तो मीठी तान सुनाती हूँ
जब मुझे गुनगुनाये कान्हा मैं किस्मत पे इतराती हूँ
झेलना बहुत पड़ा है मेरा रुतबा बड़ा है
तू काहे को अकड़ा है मेरा रुतबा बड़ा है

1) (मुकुट)- मैं सोना था जला गला कर सारा खोट मिटा डाला
चोट खाई मैने बार बार और मेरा एक पतरा बना डाला
सोनी के सुगढ़ हाथो में गया उसने फिर की मीनाकारी
जवाहरात जड़े भात भात के मेरी बना दी छवि न्यारी
कहे सब अजब गडा है मेरा रुतबा बड़ा है
जो श्याम के शीश चढ़ा है मेरा रुतबा बड़ा है

2) (मुरली)- मैं संगीत की शान मेरे स्वर कान में मिश्री घोले
सबका साथ निभाती हूँ मेरी तान से तनमन डोले
श्याम बजाए मधुर तान फिर हर कोई श्याम का होले
मीठी मीठी धुन मेरी सबको एक तार पिरोले
रंग भक्ति का चढ़ा है मेरा रुतबा बड़ा है
तू काहे को अकड़ा है मेरा रुतबा बड़ा है

2) (मुकुट)- श्याम सजा कर मुझे शीश पर जब दरबार पधारे
मेरे ही गुण गाये सभी सब मेरी ओर निहारे
हो तारीफ़ मेरे रत्नों की क़ीमत मेरी विचारे
तुझे लगा कर कमर में कान्हा नज़र ना तुझ पर मारे
तुझसे रहता उखड़ा है मेरा रुतबा बड़ा है
जो श्याम के शीश चढ़ा है मेरा रुतबा बड़ा है

3) (कृष्णा)- मुकुट बिना मेरा शीश अधूरा मुरली बिना नंदलाला
शीश मुकुट सब गाये आरती नाम है मुरली वाला
दोनो ही हो प्राण प्रिय दोनो को मैने संभाला
सरल तुम्हारे जीवन को लो मैने अब कर डाला
खत्म हुआ ये झगड़ा है दोनों का रुतबा बड़ा है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac-%e0%a4%a6%e0%a5%8b%e0%a4%a8%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a5%8b/